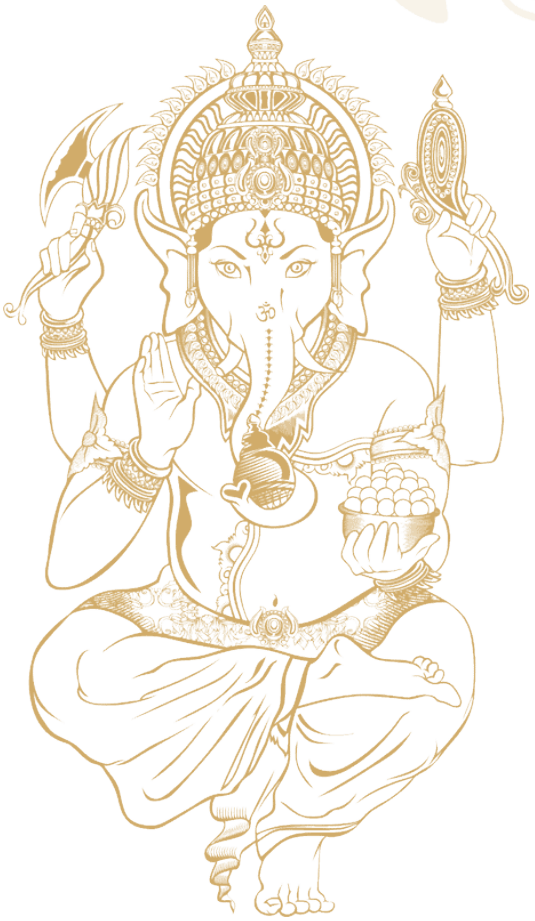

# Rajat

# Shivani

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121707210

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 30-01/12/1994 | जन्म तिथि | 20-21/10/1996 |
| बुध-गुरुवार | दिन | रवि-सोमवार |
| घंटे 01:38:00 | जन्म समय | 01:00:00 घंटे |
| घटी 46:49:47 | जन्म समय(घटी) | 46:30:21 घटी |
| India | देश | India |
| Dadri | स्थान | Ghaziabad |
| 28:33:00 उत्तर | अक्षांश | 28:40:00 उत्तर |
| 77:33:00 पूर्व | रेखांश | 77:26:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:19:48 | स्थानिक संस्कार | -00:20:16 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:54:05 | सूर्योदय | 06:24:25 |
| 17:22:38 | सूर्यास्त | 17:45:24 |
| 23:47:20 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:48:46 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| राहु 7वर्ष 11मा 2दि | 05:20:31 | कन्या | लग्न | कर्क | 22:13:50 | चन्द्र 4वर्ष 1मा 17दि |
| शनि | 14:36:14 | वृश्चि | सूर्य | तुला | 03:52:25 | गुरु |
| 03/11/2018 | 14:07:50 | तुला | चंद्र | मक | 17:49:33 | 07/12/2025 |
| 02/11/2037 | 02:55:32 | सिंह | मंगल | सिंह | 00:50:15 | 07/12/2041 |
| शनि 06/11/2021 | 07:13:35 | वृश्चि | बुध | कन्या | 25:37:02 | गुरु 26/01/2028 |
| बुध 16/07/2024 | 04:19:33 | वृश्चि | गुरु | धनु | 17:21:12 | शनि 08/08/2030 |
| केतु 24/08/2025 | 09:41:07 | तुला | शुक्र | सिंह | 25:46:20 | बुध 13/11/2032 |
| शुक्र 24/10/2028 | 12:17:31 | कुंभ | शनि व | मीन | 08:22:31 | केतु 20/10/2033 |
| सूर्य 06/10/2029 | 20:55:44 | तुला | राहु | कन्या | 14:04:12 | शुक्र 20/06/2036 |
| चन्द्र 07/05/2031 | 20:55:44 | मेष | केतु | मीन | 14:04:12 | सूर्य 08/04/2037 |
| मंगल 15/06/2032 | 00:02:57 | मक | हर्ष | मक | 06:52:44 | चन्द्र 08/08/2038 |
| राहु 22/04/2035 | 27:43:01 | धनु | नेप | मक | 01:13:12 | मंगल 15/07/2039 |
| गुरु 02/11/2037 | 04:35:31 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 07:51:09 | राहु 07/12/2041 |

### लग्न-चलित

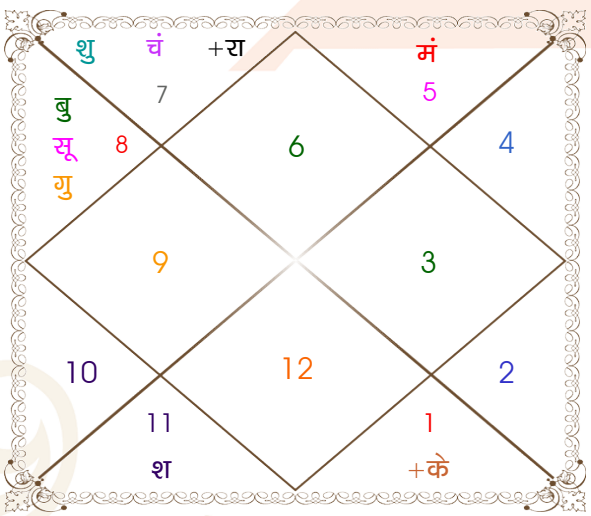


### लग्न-चलित

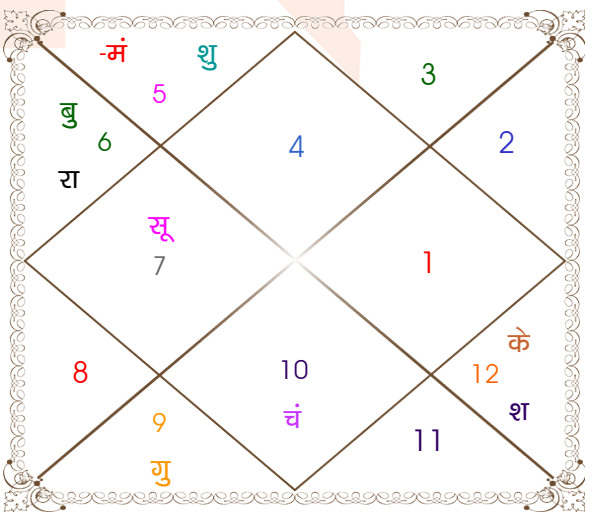

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | शूद्र | वैश्य | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | मानव | जलचर | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | विपत | मित्र | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | महिष | वानर | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शुक्र | शनि | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | देव | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | तुला | मकर | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | अन्त्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 22.50 | | |

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ौपअंदप का नक्षत्र श्रवण है।

Rajat का वर्ग मृग है तथा ौपअंदप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rajat और ौपअंदप का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

Rajat मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

ौपअंदप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ौपअंदप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rajat तथा ौपअंदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।